प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं. 74/2022)

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 2022

तुरंत जारी करने हेतु

वेबसाइटः **www.trai.gov.in**

''30 जून, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए
''भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट''

आज भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने 30 जून, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए ''भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट'' जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा 1 अप्रैल, 2022 से 30 जून, 2022 की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ-साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहाँ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण की वेबसाईट **www.trai.gov.in** पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट से संबंधित किसी भी सुझाव या स्पष्टीकरण के लिए श्री अमित शर्मा, सलाहकार (एफएण्डईए), भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली से दूरभाष-011-23234367 एवं ई-मेल advfea2@trai.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

(वी. रघुनन्दन)
सचिव, भा.दू.वि.प्रा.

भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट
अप्रैल से जून, 2022

कार्यकारी सारांश

1. देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2022 के अंत में 1,166.93 मिलियन से बढ़कर जून, 2022 के अंत में 1,172.96 मिलियन हो गई, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 0.52 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई) आधार पर दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में 2.46 प्रतिशत ह्रास दर दर्ज की गई। देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 31 मार्च, 2022 को 84.88 प्रतिशत से बढ़कर 30 जून, 2022 को 85.13 प्रतिशत रहा।

<u>देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या तथा दूरसंचार घनत्व का रूझान</u>

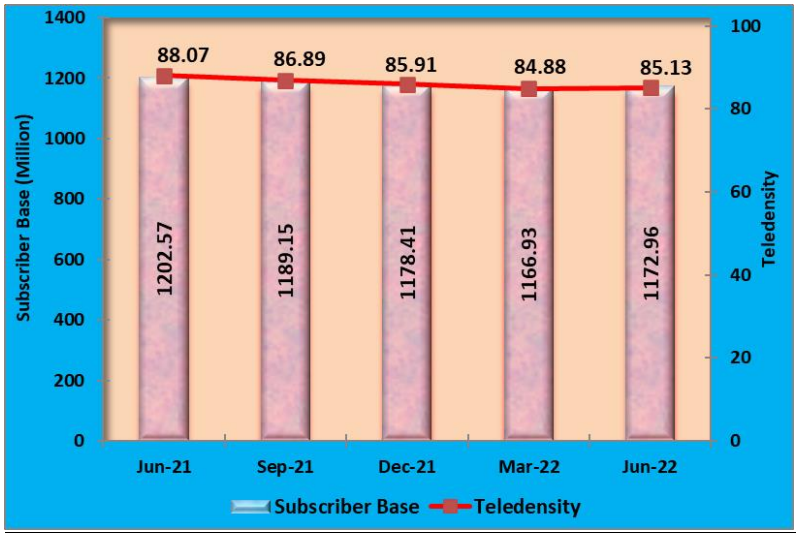

2. जून, 2022 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 649.09 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2022 के अंत में 647.11 मिलियन थी हालांकि इसी अवधि के दौरान शहरी दूरसंचार घनत्व 134.94 प्रतिशत से घटकर 134.72 प्रतिशत हो गया।

3. जून, 2022 के अंत तक ग्रामीण क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 523.87 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2022 के अंत तक 519.22 मिलियन थी और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी 58.07 प्रतिशत से बढ़कर 58.46 प्रतिशत हो गया।

4. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी जून, 2022 के अंत तक बढ़कर 44.66 प्रतिशत हो गई जो कि मार्च, 2022 के अंत तक 44.55 प्रतिशत थी।

दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

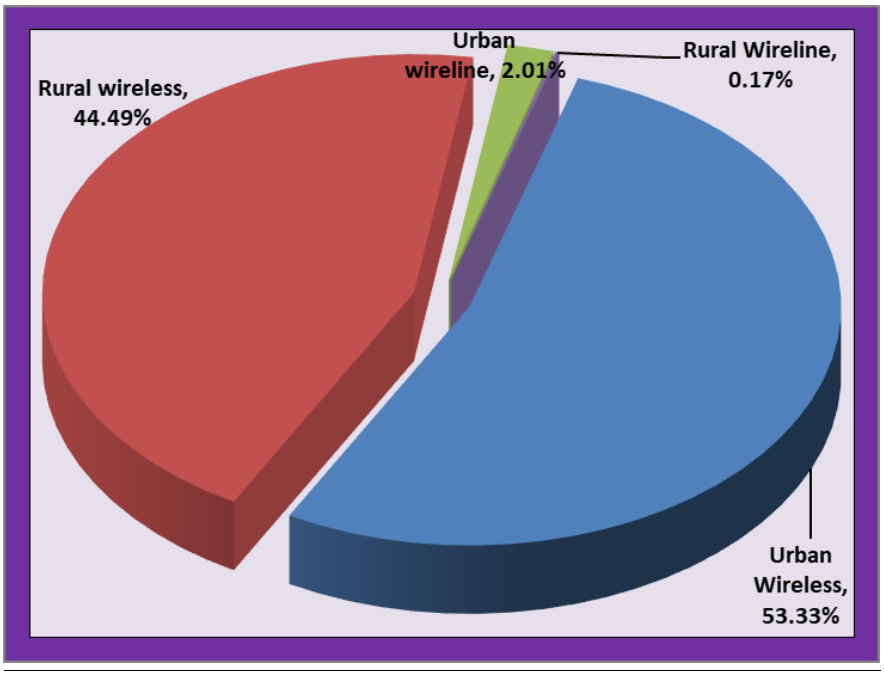

5. इस तिमाही के दौरान 5.30 मिलियन वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्याओं में निबल वृद्धि के साथ कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2022 के अंत तक बढ़कर 1,147.39 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2022 के अंत तक 1,142.09 मिलियन थी, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 0.46 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। इसी दौरान वर्षिक आधार पर वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में 2.83 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गयी।

6. वायरलेस दूरसंचार घनत्व 0.24 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर के साथ जून, 2022 के अंत में बढ़कर 83.27 प्रतिशत हो गया जो कि मार्च, 2022 के अंत में 83.07 प्रतिशत था।

7. वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2022 के अंत में बढ़कर 25.57 मिलियन हो गयी जो कि मार्च, 2022 के अंत में 24.84 मिलियन थी जिसमें 2.92 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई और जून, 2022 को समाप्त तिमाही अवधि के लिए वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई.) 17.62 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

8. वायरलाइन दूरसंचार घनत्व 2.69 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर के साथ जून, 2022 के अंत में बढ़कर 1.86 प्रतिशत हो गया जो कि मार्च, 2022 के अंत में 1.81 प्रतिशत था।

9. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या जून, 2022 के अंत में बढ़कर 836.86 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2022 के अंत में 824.89 मिलियन थी जिसमें 1.45 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। कुल 836.86 मिलियन इंटरनेट उपभाक्ताओं में से वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 28.73 मिलियन तथा वायरलेस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 808.13 मिलियन है।

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

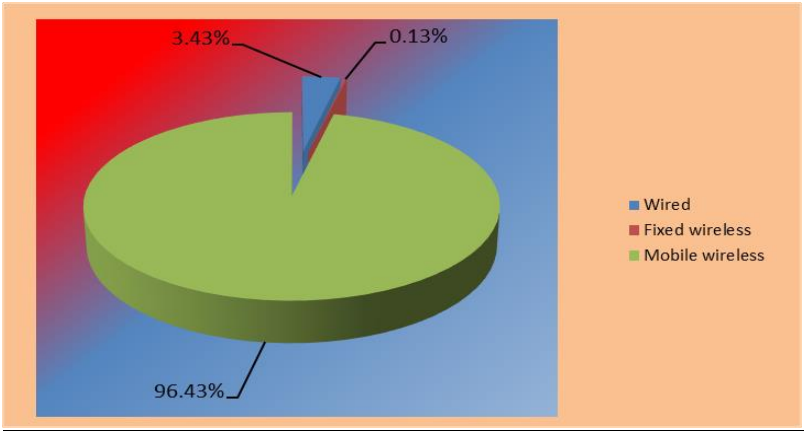

10. इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या में ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 800.94 मिलियन और नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 35.92 मिलियन है।

11. ब्राडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2022 के अंत में बढ़कर 800.94 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2022 के अंत में 788.30 मिलियन थी जिसमें 1.60 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2022 के अंत में घटकर 35.92 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2022 के अंत में 36.59 मिलियन थी, जिसमें 1.84 प्रतिशत की तिमाही ह्रास दर दर्ज की गई।

12. वायरलेस दूरसंचार सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 5.02 प्रतिशत तिमाही वृद्धि दर के साथ जून, 2022 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 133.55 रुपए हो गया जो कि मार्च, 2022 को समाप्त तिमाही को 127.17 रुपए था। इसी तिमाही में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर मासिक एआरपीयू में 27.61 प्रतिशत की दर से वृद्धि हो गया।

13. वायरलेस सेवा के लिए प्रतिमाह प्रीपेड एआरपीयू जून, 2022 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 128.61 रूपए हो गया जो कि मार्च, 2022 को समाप्त तिमाही को 121.91 रूपए था हालांकि इसी तिमाही के दौरान प्रतिमाह पोस्ट-पेड एआरपीयू 200.56 रुपए से घटकर 197.55 रुपए हो गया।

14. अखिल भारतीय औसत आधार पर जीएसएम सेवा के लिए 4.38 प्रतिशत की ह्रास दर के साथ समग्र उपयोग की गई मिनट (एमओयू) प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह जून, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए घटकर 914 मिनट हो गया जो कि मार्च, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए 955 मिनट था।

15. वायरलेस प्रीपेड सेवा के लिए जून, 2022 को समाप्त तिमाही में एमओयू प्रति उपभोक्ता प्रति माह घटकर 936 मिनट हो गया जो कि मार्च, 2022 को समाप्त तिमाही में 972 मिनट था। पोस्ट-पेड एमओयू प्रति उपभोक्ता भी प्रति माह जून, 2022 को समाप्त तिमाही में घटकर 621 मिनट हो गया जो कि मार्च, 2022 को समाप्त तिमाही में 721 मिनट था।

16. जून, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए दूरसंरचार सेवा क्षेत्र हेतु सकल राजस्व (जीआर) तथा समयोजित सकल राजस्व (एजीआर) क्रमशः 76,408 करोड़ रुपए तथा 60,530 करोड़ रुपए रहा। जून, 2022 को समाप्त तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले जीआर में -0.01 प्रतिशत की वृद्धि तथा एजीआर में 2.79 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

17. पिछले वर्ष की इसी तिमाही में जीआर तथा एजीआर में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई.) वृद्धि दर क्रमशः 17.91 प्रतिशत तथा 17.91 प्रतिशत दर्ज की गई।

18. जून, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए पास-थ्रू-प्रभार पिछले तिमाही के 13,568 करोड़ रुपए से घटकर 13,415 करोड़ रुपए हो गया। पास-थ्रू-प्रभार में तिमाही ह्रास दर 1.12 प्रतिशत और वर्ष-दर-वर्ष आधार पर ह्रास दर 0.38 प्रतिशत रही।

19. जून, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क बढ़कर 4,844 करोड़ रुपए हो गया जो कि मार्च, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए 4,712 करोड़ रुपए था। इस तिमाही के दौरान लाइसेंस शुल्क में तिमाही तथा वार्षिक वृद्धि दर क्रमशः 2.79 प्रतिशत तथा 18.05 प्रतिशत रही।

समायोजित सकल राजस्व का वितरण

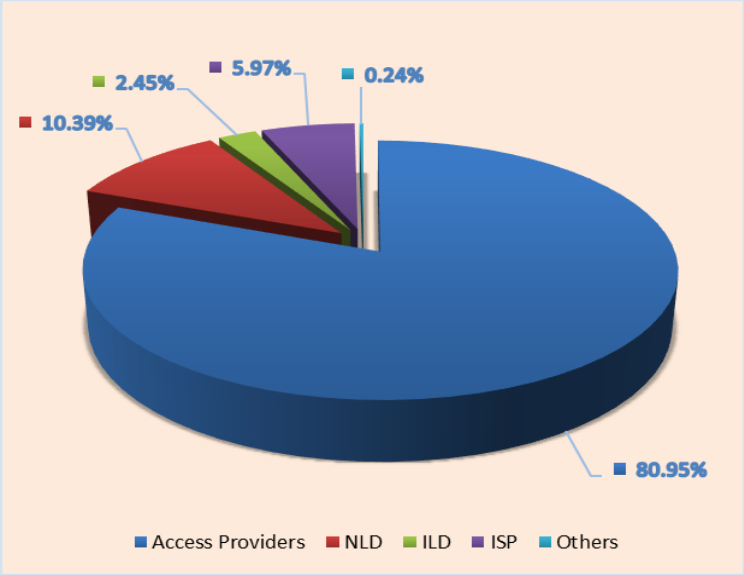

20. एक्सेस सेवाओं ने दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में 80.95 प्रतिशत का योगदान दिया। जून, 2022 को समाप्त तिमाही में एक्सेस सेवाओं में सकल राजस्व (जीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर), लाइसेंस शुल्क, स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार (एसयूसी) एवं पास-थ्रू प्रभारों में क्रमशः 1.67 प्रतिशत, 5.55 प्रतिशत, 5.53 प्रतिशत, 3.82 प्रतिशत एवं -3.41 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

21. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा गुणवत्ता के संदर्भ में वायरलाइन सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है: -

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
• 90 सेकण्ड के भीतर प्रचालक (वायस टू वायस) द्वारा उत्तर दी गई कालों का प्रतिशत ≥ 95%	• किसी भी पैरामीटर में गिरावट का कोई मामला नहीं है।

22. सेवा की गुणवत्ता के संदर्भ में सेल्युलर मोबाइल सेवा प्रदाताओं का प्रदर्शन सभी मापदंडों में समान रहा है यानी पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही में न तो प्रदर्शन में सुधार हुआ है और न ही गिरावट आई है।

23. सूचना और प्रसारण मंत्रालय (MIB) द्वारा कुल लगभग 892 निजी उपग्रह टीवी चैनलों को केवल अपलिंकिंग/केवल डाउनलिंकिंग/अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग दोनों के लिए अनुमति दी गई है।

24. संशोधित टैरिफ आदेश दिनांक 3 मार्च 2017 के अनुसरण में प्रसारकों द्वारा की गई रिपोर्टिंग के अनुसार, भारत में डाउनलिंकिंग के लिए उपलब्ध 879 अनुमत सैटेलाइट टीवी चैनलों में से, 30 जून 2022 तक, 347 सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं। 347 पे चैनलों में, 249 एसडी सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं और 98 एचडी सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं।

25. वर्ष 2003 में अस्तित्व में आने के समय से भारतीय डीटीएच सेवा में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। देश में पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या जून 2022 के अंत में 4 थी।

26. देश में पे-डीटीएच के कुल औसत सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या 30 जून, 2022 को लगभग 67.04 मिलियन हो गई है। यह संख्या दूरदर्षन के निःशुल्क डीटीएच सेवा के उपभोक्तओं की संख्या के अलावा है।

27. आल इंडिया रेडियो-सार्वजनिक प्रसारक द्वारा प्रचालित रेडियो स्टेशनों के अलावा, दिनांक 30 जून, 2022 को 36 एफएम प्रसारकों के द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के अनुसार 113 शहरों में कुल 388 निजी एफएम रेडियो स्टेशन कार्य कर रहे थे।

28. प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, विज्ञापन से प्राप्त कुल आय 30 जून, 2022 को समाप्त तिमाही में 388 निजी एफएम रेडियो स्टेशन के लिए 345.12 करोड़ रूपये रही जो कि 31

मार्च, 2022 को समाप्त तिमाही में 386 निजी एफएम रेडियो स्टेशन के लिए 362.63 करोड़ रूपये थी।

29. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 30 जून, 2022 को देश में कुल 366 सामुहिक रेडियो स्टेशन कार्यरत हैं।

मुख्य झलकियां

31 मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार डाटा	
दूरसंचार उपभोक्ता (वायरलैस+वायरलाइन)	
कुल उपभोक्ता	1,172.96 मिलियन
पिछले तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	0.52 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ता	649.09 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ता	523.87 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	89.38 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	10.62 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	85.13 प्रतिशत
शहरी दूरसंचार घनत्व	134.72 प्रतिशत
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	58.46 प्रतिशत
वायरलैस उपभोक्ता	
कुल वायरलैस उपभोक्ता	1,147.39 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	0.46 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ता	625.49 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ता	521.90 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	90 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	10 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	83.27 प्रतिशत
शहरी दूरसंचार घनत्व	129.82 प्रतिशत
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	58.24 प्रतिशत
तिमाही के दौरान वायरलेस डाटा यूसेज	37,626 पेगाबाईट
पब्लिक मोबाईल रेडियो ट्रंक सेवा (पीएमआरटीएस) की कुल संख्या	66,048
वीसैट की कुल संख्या	2,76,971
वायरलाइन उपभोक्ता	
कुल वायरलाइन उपभोक्ता	25.57 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	2.92 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ता	23.60 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ता	1.97 मिलियन
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	38.47 प्रतिशत
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	61.53 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	1.86 प्रतिशत
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.22 प्रतिशत
शहरी दूरसंचार घनत्व	4.90 प्रतिशत
ग्रामीण पब्लिक टेलीफोन की संख्या (वीपीटी)	68,606
पब्लिक काल आफिसों की संख्या (पीसीओ)	61,427

दूरसंचार वित्तीय आंकडे	
तिमाही के दौरान सकल राजस्व (जीआर)	76,408 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	-0.01 प्रतिशत
तिमाही के दौरान समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	60,530 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	2.79 प्रतिशत
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी	4.88 प्रतिशत
इंटरनेट/ब्राडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ता	836.86 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	1.45 प्रतिशत
नैरोबैंड उपभोक्ता	35.92 मिलियन
ब्राडबैंड उपभोक्ता	800.94 मिलियन
वाययलाईन इंटरनेट उपभोक्ता	28.73 मिलियन
वायरलैस इंटरनेट उपभोक्ता	808.13 मिलियन
शहरी इंटरनेट उपभोक्ता	497.56 मिलियन
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ता	339.30 मिलियन
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ता	60.73
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ता	103.27
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ता	37.86
सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट की संख्या	1,00,206
कुल खपत डेटा (जीबी)	1,42,16,743
प्रसारण और केबल सेवाएं	
केवल अपलिकिंग/केवल डाऊनलिकिंग/अपलिंकिंग एवं डाउनलिंकिंग दोनों के लिये सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या	892
प्रसारकों के द्वारा रिपोर्ट किये गये पे-टीवी चैनलों की संख्या	347
निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या (आकाशवाणी के अलावा)	388
पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं के कुल सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या	67.04 मिलियन
चालू कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	366
पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या	4
राजस्व और उपयोग मानदण्ड	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता औसत मासिक आय (एआरपीयू) (जीएसएमए एलटीई सहित)	133.55 रुपए
वायरलेस सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू) (जीएसएमए एलटीई सहित)	914 मिनट
इंटरनेट टेलीफोनी हेतु कुल बहिर्गामी (आऊटगोईंग) उपयोग मिनट	98.31 मिलियन
मोबाइल उपभोक्ताओं के द्वारा डाटा उपयोग	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह औसत डाटा उपयोग	16.40 जीबी
तिमाही के दौरान वायरलेस सेवा के लिए प्रति जीबी डाटा का ग्राहक के लिए औसत मूल्य	10.29 रुपए